पुरानी मुद्राओं तथा सिक्कों का मूल्य

3626. श्री मृत्युंजय प्रसाद :
श्री कार्तिक ओरांव :
श्री शशि रंजन :
श्री वाल्मीकि चौधरी :
श्री म० प्र० यादव :

क्या प्रधान मंत्री 5 जून, 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 277 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दुलर्भ तथा पुरानी मुद्राओं तथा सिक्कों का मूल्य उन में लगाई गई धातु के तोल के अनुसार निर्धारित किया जाता है अथवा उन के महत्व तथा दुलर्भता के आधार पर;

(ख) क्या तांबे के दुलर्भ तथा पुराने सिक्कों का मूल्य तांबे के तोल के आधार पर निर्धारित किया जायेगा;

(ग) यदि नहीं, तो किन कारणों से यह कहा गया था कि सोने के सिक्के उनमें लगाये गये सोने के मूल्य से अधिक मूल्य पर बेचे गये हैं;

(घ) जब वे सिक्के बेचे जाते हैं तो उन में लगे हुये सोने का मूल्य सोने के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य के अनुसार कितना होता है और वे किस मूल्य पर बेचे गये हैं ।

(ङ) क्या उन सिक्कों की बिक्री करने से पहले उन सिक्कों के बेचे जाने की सूचना उन लोगों को, जो ऐसे सिक्कों का व्यापार करते हैं तथा सिक्कों का संग्रह करने वाले लोगों तथा संग्रहालयों को दी जाती है; और

(च) यदि हां, तो उनका देशवार ब्यौरा क्या है ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) तथा (ख). पुराने सिक्कों का, चाहे वे किसी भी धातु के हों, मूल्यांकन न केवल उनमें लगी धातु के आधार पर बल्कि उनकी दुर्लभता और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रख कर किया जाता है ।

(ग) तथा (घ). ऐसा यह बताने के लिये कहा गया था कि सिक्कों को बेचने से, उनमें लगे सोने के उस समय के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य से ज्यादा रकम प्राप्त हुई । उस समय सोने का अन्तर्राष्ट्रीय भाव लगभग 5 रुपये 40 पैसे प्रति ग्राम था । लगभग 661.8 ग्राम वजन के 103 सिक्के अमरीका में 1527 डालर (6,875 रुपये अथवा लगभग 10 रुपये 40 पैसे प्रति ग्राम) में बेचे गये, और 1327.9 ग्राम भार के 271 सिक्के ब्रिटेन में 803 पौण्ड (10,840 रुपये अथवा लगभग 8 रुपये 20 पैसे प्रति ग्राम) में बेचे गये ।

(ङ) तथा (च). राष्ट्रीय रक्षा कोष की कार्यकारिणी समिति के निर्णय के अनुसार बिक्रय की व्यवस्था अमरीका तथा ब्रिटेन में हमारे दूतावासों द्वारा की गई और अधिक से अधिक प्राप्त पेशकश स्वीकार की गई । वांछित ब्यौरा यहां उपलब्ध नहीं है ।

Participation of a Cabinet Minister in Security Council

3627. **Shri B. S. Sharma:** Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a senior member of the Indian Cabinet is leaving for U.S.A. to take part in the Security Council's deliberations; and

(b) if so, the name of the Minister?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) and (b). The Minister of External Affairs, Shri M. C. Chagla has gone to New York to lead the Indian delegation to the Emergency Special Session of the United Nations General Assembly. He